(nostrum *biete, ge-biete*), *ana-bus-ns*, *ana-buz-ns* mandatum, v. बुध् praef. प्रति *Caus.* jubere; ita a ज्ञा scire अभ्यनुज्ञा mandare; gr. ΠΥΘ, πυνθάνομαι, ἐπυθόμην mutatâ mediâ in tenuem, v. बन्ध्; fortasse lat. *puto* e *pudo*.)

c. अनु 4. *A.* 1) comperire, cognoscere. Mah. 14799.: अनुबुध्येत नृपो ऽस्माकञ् चिकीर्षितम्. 2) recordari. Mah. 1.4874.: स तु कामपरीतात्मा तं शापम् ना ऽन्वबुध्यत. 3) expergisci. Mah. 1.5024.: दृष्टो ऽन्वबुध्यत.

c. अव 4. *A.* 1) sentire, percipere, animadvertere. Mah. 1.5051.: सुस्राव रेतो ऽस्य सच तन् ना ऽवबुध्यत. 2) scire. R. Schl. II. 74.10.: किन् ना ऽवबुध्यसे क्रूरे नियतम् बन्धुसंश्रयम् ज्येष्ठम् पितृसमं रामम्. 3) cognoscere. Mah. 2.1371.: धर्मम् अवबुध्येत; 3.1363.: त्वाञ् चेत् श्रुत्वा तात तथा चरन्तम् अवभोत्स्यन्ते भरतानाञ् चराः. 4) expergisci. Ram. II. 72.50.: कच्चित् काले ऽवबुध्यसे. — *Caus.* certiorem facere. Mah. 1.5811.: अस्मान् अवबोधयत्.

c. अव praef. सम् 4. *A.* intelligere. R. Schl. II. 9.31.: ना ऽहं समवबुध्येय ... राज्ञश् चिकीर्षितम्.

c. नि 1. *P. interdum A.* 1) comperire, percipere, cognoscere, *praesertim in 2. p. Imper.* N. 22.6.: दमयन्त्या वचः ... निबोध; Sa. 5.28.: वचो निबोध मे; 6.13.: सत्यम् एतन् निबोध त्वम्; Man. 1.119.: इदम् मत्सकाशान् निबोधत; Mah. 1.1353.: निबोधस्व. 2) scire. N. 12.43.: राजपुत्रीन् निबोध माम्.

c. प्र 1) 1. *A.* expergefacere. Mah. 3.10653.: व्याघ्रं शयानम् प्रति मा प्रबोध. 2) 4. *A.* expergisci. Hit. 107.13.: सूर्योदये प्रबुध्यते. — *Caus.* 1) certiorem facere. Ragh. 3.68. 2) expergefacere. H. 2.34. 3.6. 4.2.

c. प्रति 4. *A.* expergisci. R. Schl. II. 14.50. *Etiam* Par. Mah. 1.5053.: तन् दृष्ट्वा प्रतिबुध्यन्तम्. — *Caus.* 1) certiorem facere. Ragh. 1.74. 2) mandare, jubere. R. Schl. II. 52.35.: रामेण सुमन्त्रः प्रतिबोधितः. 3) expergefacere. R. Schl. II. 65.12.: भर्तारम् प्रत्यबोधयन्.

c. वि 4. *A.* expergisci. Mah. 2.162.: कच्चित् काले विबुध्यसे; H. 4.24.: तयोः शब्देन महता विबुद्धास् ते.

c. सम् 4. *A. P.* 1) nosse. Mah. 2.1498.: कस्मान् न सम्बुध्येत ... ससुरासुरलोकानाम् अशेषेण मनोगतम्. 2) intelligere, sapere. Mah. 2.2187.: न मन्द सम्बुध्यसे. — *Caus.* monere. Mah. 1.1427.: युष्मान् सम्बोधयाम्य् एष यथा न स हरेद् बलात्.

c. सम् praef. प्रति resipiscere. Mah. 12519.: सो ऽहम् ऐश्वर्यमोहेन ... पतितः प्रतिसम्बुद्धः.

बुध (r. बुध् s. अ) 1) sciens, sapiens, doctus. Br. 3.5. 2) nom. pr. Ur. 93.12.

बुन्द् 1. *P. A.* (निशामने) audire. *Cf.* बुद्, बुध्, बुन्ध्.

1. बुन्ध् 1. *P. A. id.*

2. बुन्ध् 10. *P.* (बन्धे) ligare. (Cf. बन्ध्, unde बुन्ध् attenuato अ in उ sicut in linguâ goth. *bundum* ligavimus a *band* ligavi.)

बुभुक्षा *f.* (a *Desid.* r. भुज् edere s. आ) fames. Hit. 35.11.

बुल् 10. *P.* (मज्जने) mergi, submergi.

बुस् 4. *P.* (उत्सर्गे) dimittere. *Cf.* ब्युस्, व्युस्.

बुस्त् 10. *P.* 1) venerari. 2) spernere. *Cf.* पुस्त्.

बृ v. वृ.

बोधन *n.* (r. बुध् s. अन) notio, cognitio, scientia. Ragh. 9.49.

ब्युस् 4. *P.* (हानौ) relinquere. *Cf.* बुस्, व्युस्.

ब्रह्मचर्य *n.* (e ब्रह्मन् et चर्य, quod seorsum non invenitur et vitae rationem significare videtur, a चर् ire, facere suff. य) castimoniae vel coelibatus votum, castimonia. In. 4.10.

ब्रह्मचारिन् *m.* (e ब्रह्मन् et चारिन् iens, agens) coelibatus voto obstrictus. Sa. 1.5. A. 2.17. Bh. 6.14.

ब्रह्मण्य (a ब्रह्मन् s. य) Brahmae deo addictus, Brahmae cultor, pius. Sa. 1.2. N. 1.3.

ब्रह्मन् (secundum Wils. a r. वृह् crescere, mutato व in ब, s. मन्) 1) *m.* Deus *Brahma.* Su. 1.22. 2) Brahmanus, homo primi i. e. sacerdotalis ordinis. 3) *n.* summum incorporeum numen, causa primitiva. Bh. 4.24. 14.3.4.